राष्ट्रीय सेवा योजना

वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,जौनपुर

दिनांकः 15.10.2020

विश्व हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर 2020
(रिपोर्ट)

प्रारूप–3 विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की पोस्टर प्रतियोगिताः–

क0सं0	विश्वविद्यालय का नाम	विद्यार्थियों का स्थान	विद्यार्थियों का नाम	महाविद्यालय का नाम	पोस्टर अपलोड किया गया
1	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	प्रथम	सोनालिका प्रजापति	राजकीय महिला पीजी कॉलेज गाज़ीपुर	हां
		द्वितीय	कविता चौहान	टीडी महिला महाविद्यालय जौनपुर	हां
		तृतीय	आरती गुप्ता	श्री दुर्गा जी पीजी कॉलेज चंडेश्वर आजमगढ़	हां

प्रारूप–4 विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की स्लोगन प्रतियोगिताः–

क0सं0	विश्वविद्यालय का नाम	विद्यार्थियों का स्थान	विद्यार्थियों का नाम	स्लोगन लिखे (अधिकतम 20 शब्द)
1	वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर	प्रथम	सहर जेड अहमद (राजकीय महिला पीजी कॉलेज गाज़ीपुर)	हम सब का एक ही नारा साफ सुथरा हो देश हमारा चलो बनाए विश्व में भारत की शान स्वच्छ दमकता देश हो हमारा
		द्वितीय	प्राची यादव (राजकीय महिला पीजी कॉलेज गाज़ीपुर)	स्वच्छता का पहनो चोला साफ रखो हर गली मोहल्ला
		तृतीय	अंकित शर्मा (श्री दुर्गा जी पीजी कॉलेज चंडेश्वर आजमगढ़)	हाथ धोएंगे साबुन से रोग मिटेगा जीवन से

प्रारूप–5विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों की कहानी/लेख प्रतियोगिताः–

क्र0सं0	विश्वविद्यालय का नाम	विद्यार्थियों का स्थान	विद्यार्थियों का नाम	कहानी/लेख (अधिकतम 200 शब्द)
1	**वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर**	**प्रथम**	**वंदना यादव (राजकीय महिला पीजी कॉलेज गाज़ीपुर)**	**स्वच्छता एवं स्वास्थ्य हाथों की सफाई** **'स्वास्थ्य ही धन है'** यह कथन कितना भी पुराना क्यों ना हो जाए आज भी उतना ही सटीक बैठता है जितना राल्फ वाल्डो इमर्सन ने तब कहा था। स्वास्थ्य जीवन की पूंजी है इस बात को सभी स्वीकारते हैं परंतु इस धन/ पूंजी को को बनाए कैसे रह सकते हैं? यह सवाल जितना कठिन जान पड़ता है उसका उत्तर उतना ही सरल है; वह है स्वच्छता। स्वच्छता हमारे सफल जीवन के लिए उतनी ही आवश्यक है जितना हवा और पानी क्योंकि स्वास्थ्य की तुलना धन से की गई है। हमारे स्वयं या समूचे देश और समाज के विकास का मूल मंत्र स्वच्छता हो सकती है। विडंबना यह है कि स्वच्छता अपनाते हुए भी हमारे हाथ गंदे होते हैं जैसे साफ- सफाई करते हुए कूड़ा- कचरा समेटते, फेंकते हुए आदि। इस बात का सीधा आशय यह है कि हमें अपने हाथों की सफाई का पूरा ध्यान रखना चाहिए। अपना स्वयं का या समाज की साफ सफाई करते समय दस्ताने पहने सफाई के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह धोए। हालांकि हाथ धुलाई को ज्यादातर लोग गंभीरता से नहीं लेते हैं। वैश्विक स्तर पर लोगों को हाथ धोने के लिए संगठित एवं प्रेरित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 2008 में अंतरराष्ट्रीय स्वच्छता वर्ष की घोषणा के साथ ही प्रथम विश्व हाथ धुलाई दिवस के लिए 15 अक्टूबर का दिन तय किया गया जिसकी शुरुआत स्टॉकहोम में विश्व जल सप्ताह के दौरान की गई थी। शौच के बाद, खाने से पहले, खाना खाने के बाद संभावित संक्रमित वस्तु छूने के बाद हाथों की सफाई अत्यावश्यक है अगर पूरा विश्व हाथ की धुलाई के तरीके और महत्व को समझ जाए तो हमको रोना जैसी भयावह बीमारी को भी हरा सकते हैं। **नाम- वंदना यादव राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाज़ीपुर**

		द्वितीय	**ममता चौबे (टीडी महिला महाविद्यालय जौनपुर)** 	**विश्व हाथ धुलाई दिवस 15 अक्टूबर 2020** **संस्था का नाम-** तिलकधारी महिला महाविद्यालय जौनपुर **कार्यक्रम अधिकारी- डॉ राजश्री सिंह सोलंकी** **विश्व हाथ धुलाई दिवस** हमारे हाथों में अनदेखी गंदगी छिपी होती है| जो किसी भी वस्तु को छूने, उसका उपयोग करने एवं कई तरह के दैनिक कार्यों के कारण होती है| यह गंदगी, बगैर हाथ धोए खाद्य एवं पेय पदार्थों के सेवन से हमारे शरीर में चली जाती है और नई -नई बीमारियों को जन्म देती है| हाथों की धुलाई के प्रति जागरूकता पैदा करने के मकसद से पूरे विश्व में 15 अक्टूबर 2020 को विश्व हाथ धुलाई दिवस के रूप में मनाया जाता है| इस वर्ष 12 से 15 अक्टूबर तक अभियान चलाकर यह दिवस मनाया गया दिवस मनाया गया|बचपन से स्कूल में सिखाया जाता था कि छात्र को खाने से पहले हाथ धोना चाहिए| इसके अलावा भी साफ सफाई से जुड़ी बहुत सी बातें बताई जाती थी धीरे-धीरे बातें हमारी अच्छी आदतों में शामिल हो गई लेकिन दुनिया भर में कई लोग आज भी इसके प्रति जागरूक नहीं हैं विश्व हाथ धुलाई दिवस का उद्देश्य इसी जागरूकता को समाज तक पहुंचाना है। **स्वयंसेविका- ममता चौबे**

भवदीय

(राकेश कुमार यादव)
कार्यक्रम समन्वयक

प्रथम

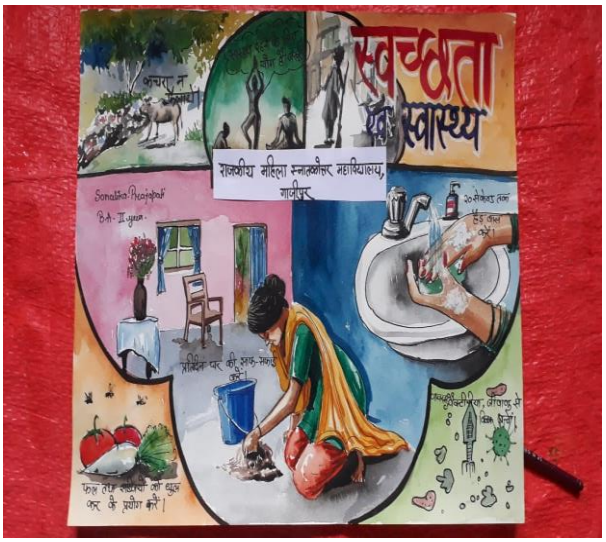

द्वितीय

तृतीय

भवदीय

(राकेश कुमार यादव)
कार्यक्रम समन्वयक